

# हिंदी परियोजना कार्य

प्रश्न १: मेघालय राज्य में ऊर्जा के तीन साधनों का वर्णन कीजिये

उत्तर १: १. पनबिजली ऊर्जा - जलविद्युत, जिसे जल शक्ति के रूप में भी जाना जाता है, बिजली या बिजली मशीनों का उत्पादन करने के लिए गिरने या तेजी से चलने वाले पानी का उपयोग है। यह पानी की गतिज ऊर्जा को विद्युत या यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करके प्राप्त किया जाता है। जलविद्युत स्थायी ऊर्जा उत्पादन का एक रूप है। मेघालय पनबिजली से ४१४ मेगावाट का दोहन कर सकता है।

२. जैव ऊर्जा - बायो एनर्जी बायो मास या बायो फ्यूल से बनी ऊर्जा है। बायोमास कोई भी कार्बनिक पदार्थ है जो सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करता है और इसे रासायनिक ऊर्जा के रूप में संग्रहीत करता है। उदाहरण लकड़ी, ऊर्जा फसलें और जंगलों, या र्डी या खेतों से निकलने वाले अपशिष्ट हैं। मेघालय १६५ मेगावाट जैव ऊर्जा का दोहन कर सकता है।

३. पवन ऊर्जा - पवन चक्की एक उपकरण है जो हवा की गतिज ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करता है। पवन टर्बाइन क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर अक्षों के साथ आकार की एक विस्तृत श्रृंखला में निर्मित होते हैं। मेघालय पवन ऊर्जा से 90 मेगावाट का दोहन कर सकता है।

प्रश्न 2 : हिंदी में कवियों के द्वारा रचित सूरज हवा तथा प्राकृतिक सुंदरता पर आधारित कविताओं का आंकलन करे

उत्तर 2 : प्रकृति की सुंदरता पर हिंदी कविता

ये प्रकृति शायद कुछ कहना चाहती है हमसे  
ये हवाओ की सरसराहट,  
ये पेड़ों पर फुदकते चिड़ियों की चहचहाहट,  
ये समुन्दर की लहरों का शोर,  
ये बारिश में नाचते सुंदर मोर,  
कुछ कहना चाहती है हमसे,  
ये प्रकृति शायद कुछ कहना चाहती है हमसे।।

ये खुबसूरत चांदनी रात,  
ये तारों की झिलमिलाती बरसात,  
ये खिले हुए सुन्दर रंगबिरंगे फूल,  
ये उड़ते हुए धूल,  
कुछ कहना चाहती है हमसे,  
ये प्रकृति शायद कुछ कहना चाहती है हमसे।।

ये नदियों की कलकल,  
ये मौसम की हलचल,  
ये पर्वत की चोटियाँ,  
ये झींगुर की सीटियाँ,  
कुछ कहना चाहती है हमसे,  
ये प्रकृति शायद कुछ कहना चाहती है हमसे।।

### आंकलन

इस कविता में कवी बताना चाहते हैं की कैसे प्रकृति हर पल हमसे कुछ कहना चाहती है। अपनी बात को अलग तरीके से बयान करती है। कभी ठन्डे-ठन्डे मौसम में जब हवाओ की सरसराहट होती है या कभी पेड़ों पर फुदकती हुई चिड़िया की चहचहाट सुनाई देती है। समुन्दर की लहरें जब शोर करती है या बारिश में सुन्दर मोर नाचते हैं। हर पल यही लगता है की प्रकृति हमसे कुछ कहना चाहती है।

जब कवी चांदनी रात को देखता है और उसकी खूबसूरती उसे मंत्रमुग्ध कर देती है, इतने सारे तारों झिलमिलाते हुए आसमान को सजाते हैं। रंगबिरंगे सुन्दर-सुन्दर फूल बागों में कवी को बहुत अच्छे लगते हैं और इस सब के साथ जब हवा के बहाव से धूल उड़ती है तब हर बात कवी के जेहन में यही विचार लाती है की प्रकृति हमसे कुछ कहना चाहती है।

इसके साथ ही कवी कहते हैं की जब नदियों का पानी का कल-कल कर बेहता है और साथ ही मौसम में भी हलचल होने लगती है। दूर-दूर तक पर्वत की चोटियाँ आसमान चूमती नज़र आती है और ज़मीन पर झींगुर की सीटियों का शोर सुनाई देता है तब कवी को फिर यही एहसास होता है की प्रकृति हमसे कुछ कहना चाहती है।

### प्रश्न 3 : वर्षा ऋतू के महत्व व् उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिये

**उत्तर 3 :** बारिश के मौसम या मानसून के मौसम का स्वागत हर किसी के द्वारा किया जाता है क्योंकि बारिश की बौछार सूरज की चिलचिलाती गर्मी से राहत देती है और दिल को मस्ती, खुशी और आनंद से फिर से जीवंत कर देती है। मानसून प्राकृतिक सुंदरता में वृद्धि देता है और मन का आनंद देता है लेकिन साथ ही साथ बीमारियों के चरण भी लाता है और उचित सावधानी न बरतने पर हमें अपनी चपेट में ले सकता है।

इस मौसम की खुशी को संजोने के लिए और विशेष रूप से अपनी छोटी कलियों को सुरक्षित रखने के लिए, बारिश के मौसम में क्या करें की एक सूची देखें।

#### उपयोगिता

- विशेष रूप से सुबह और शाम के समय विकर्षक या जालीदार दरवाजे का उपयोग करके मच्छर और कीट रोधक बनाए रखें।
- इनके हमले से बचने के लिए सार्वजनिक स्वच्छता के प्रबंध की सिफारिश की जाती है, इसलिए इनके प्रजनन पर नियंत्रण रखते हुए अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखें।
- व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए, बरसात के मौसम में साफ और हल्के रंग के पूरे कपड़े पहनें ताकि मच्छरों के काटने से बचा जा सके जिससे अक्सर डेंगू होता है।

- पानी के दूषित होने के दुष्प्रभावों से बचने के लिए, उबला हुआ पानी या आरओ का पानी विशेष रूप से छोटों को पीना चाहिए।
- निर्जलीकरण मुख्य रूप से इस मौसम में देखा जाता है, इसलिए शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए बहुत सारे तरल पदार्थ पीने की कोशिश करें।
- शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए विटामिन सी का सेवन किसी भी तरह से फूड सप्लीमेंट या फलों और सब्जियों के रूप में करें। ग्रीन टी और लहसुन इसके समृद्ध स्रोत हैं।
- हल्का खाना खाएं जो पेट पर भी आसानी से पचने के लिए हल्का हो और भोजन को हमेशा ठीक से उबाल लें।
- दिन में, बाहर से आने पर और भोजन करने से पहले अपने हाथों को हमेशा धोएं और साफ करें।
- आराम करने और शरीर को सक्रिय रखने के लिए उचित ध्वनि और पूरे समय की नींद लें।
- विषाणु जनित रोगों के प्रभाव को कम करने के लिए वर्षा के पानी में भीगने पर गर्म पानी से नहाएं।

इन सावधानियों को अपनाकर और अपने आप को सुरक्षित और स्वस्थ रख कर मानसून का मज़ा और बढ़ाया जा सकता है।

घर के बने पकोड़े, गर्म चाय, या कॉफी खाकर और लंबी सवारी का आनंद उठाकर इस बरसात के मौसम का आनंद लें।

**द्वारा बनाया गया - अर्णव सिंह**